प्रादर्श प्रश्न पत्र 2013

विषय – हिन्दी (विशिष्ट)

कक्षा – दसवीं

सेट–ए

समय– 3 घंटे **पूर्णांक– 100**

निर्देश–

1. सभी प्रश्न अनिवार्य है।
2. प्रश्न क्र. 1 से 5 तक वस्तुनिष्ठ प्रश्न दिए है। प्रत्येक प्रश्न के लिए 1 x 5 x 5 = 25 अंक निर्धारित है।
3. प्रश्न क्र. 6 से 16 तक प्रत्येक प्रश्न हेतु 2 अंक निर्धारित है।
4. प्रश्न क्र. 17 से 19 तक प्रत्येक का उत्तर 30 से 75 शब्दों में लिखिए। प्रत्येक प्रश्न हेतु 3 अंक निर्धारित है।
5. प्रश्न क्र. 20 से 25 तक प्रत्येक का उत्तर 75 से 120 शब्दों में लिखिए। प्रत्येक प्रश्न हेतु 4 अंक निर्धारित है।
6. प्रश्न क्र. 26 से 27 तक प्रत्येक का उत्तर 120 से 150 शब्दों में लिखिए। प्रत्येक प्रश्न हेतु 5 अंक निर्धारित है।
7. प्रश्न क्र. 28 का उत्तर लगभग 200 से 250 शब्दों में निर्धारित है इसके लिए (7+3) 10 अंक निर्धारित है। जिसमें अ में 7 अंक एवं ब में 3 अंक।

प्रश्न 1. निम्नलिखित रिक्त स्थानों की पूर्ति उचित शब्द का चयन कर कीजिए।

(i) कवितावली के.....रचनाकर है।

(केशवदास / तुलसीदास)

(ii) युधिष्ठिर की माता का नाम.....है।

(कुन्ती / भाद्री)

(iii) रवीन्द्रनाथ टैगोर के कार्यस्थल का नाम.....है।

(सेवाग्राम / शांतिनिकेतन)

(iv) रचना की दृष्टि से वाक्य के.....प्रकार है।

(तीन / आठ)

(v) .....छन्द के प्रत्येक चरण में 14–12 के विराम में 26 मात्राएं होती है।
(गीतिका / हरिगीतिका)

प्रश्न 2. निम्नलिखित कथनों के लिए सही विकल्प चुनकर लिखिए :–

(अ) 'जगत विनोद' के कवि का नाम है –

(क) बिहारी (ख) पदमाकर

(ग) जायसी (ग) नागार्जुन

(ब) गेहूं और गुलाब निबंध है –

(क) ललित (ख) विचारात्मक

(ग) वर्णनात्मक (घ) राजनीतिक

(स) घनश्याम को राखी बांधने वाली बहन का नाम है –

(क) सीता (ख) सरस्वती

(ग) गायत्री (घ) पार्वती

(द) 'जो नेत्रों से दिखाई न दे' के लिए एक शब्द –

(क) अगोचर (ख) दर्शनीय

(ग) दुदर्श (घ) दृष्टव्य

(इ) श्रीकृष्ण से सुन वचन अर्जुन क्रोध से जलने लगे में कौन सा रस विद्यमान है –

(क) हास्य रस (ख) रौद्र रस

(ग) वीर रस (घ) शांत रस

प्रश्न 3. निम्नलिखित वाक्यों में सत्य / असत्य बताइये –

(i) मनुष्य की भीतरी गुण स्वतंत्रता है।

(ii) श्रम से नृत्य का जन्म होता है।

(iii) नर्मदा के उत्सकुण्ड के थोड़ा उपर माई की बगीया है।

(iv) नील कण्ठ का समास विग्रह नीलाकण्ठ होता है।

(v) बिहारी सतसई के रचनाकार धनानन्द है।

प्रश्न 4. स्तंभ 'अ' के लिए स्तंभ 'ब' से चुनकर सही जोड़ी बनाइये–

1.	नीति अष्टक	–	सीया रामशरण गुप्त
2.	बैल की बिक्री	–	भारतेन्दु हरीशचन्द्र
3.	निन्दा रस	–	निर्वेद
4.	जो रोग एक दूसरे को लगे	–	हरिशंकर परसाई
5.	शांत रस	–	संक्रामक

प्रश्न 5. एक वाक्य में उत्तर दीजिए

1. जायसी की भक्ति किस प्रकार की है?
2. लेखक खेती करने कहां गये?
3. विदेश जाने पर कौन साथ देता है?
4. 'आंख का कांटा' मुहावरे का क्या अर्थ होगा?
5. जिस काव्य में एक ही सर्ग होता है उसे क्या कहते है?

प्रश्न 6. हिन्दी साहित्य के इतिहास को कितने भागों में विभक्त किया गया है? नाम लिखिए।

अथवा

छायावाद क चतुष्ठक कवियों के नाम लिखिए।

प्रश्न 7. द्विवेदी युग की कविताओं की दो विशेषताएं लिखिए।

अथवा

नई कविता की दो विशेषताएं लिखिए।

प्रश्न 8. गूंगा फल के स्वाद का अनुभव किस प्रकार करता है?

अथवा

माताएं बालक राम की कौन सी चेष्टाओं से प्रसन्न होती है?

प्रश्न 9. श्रीकृष्ण के ललाट पर टीका की समानता किससे की गई है?

अथवा

धन दौलत का अभिमान क्यों नहीं करना चाहिए।

प्रश्न 10. स्वाधीन जगत में कौन जीवित रह सकता है?

अथवा

कवि के अनुसार किस वृक्ष के नीचे विश्राम करना चाहिए?

प्रश्न 11. रेखाचित्र और संस्मरण में दो अंतर लिखिए।

अथवा

जीवन और आत्मकथा में दो अन्तर लिखिए।

प्रश्न 12. हिन्दी की प्रथम एकांकी एवं एकांकीकार का नाम लिखिए।

अथवा

हिन्दी की प्रथम कहानी एवं कहानीकार का नाम लिखिए।

प्रश्न 13. तेजस्वी पुरूष लाला लाजपतराय की दो विशेषताएं कौन सी है?

अथवा

भारतीय राष्ट्रीय जीवन पर किन दो समकालीन व्यक्तियों के उदात्त मस्तिष्क की गहरी छाप है?

प्रश्न 14. कुआं पर पनहारिनें क्या कर रही थी? वे किसके गीत गा रही थी?

अथवा

सुश्रुत संहिता में कुल कितने अध्याय है और उन्हें कितने भागों में बांटा गया है?

प्रश्न 15. संधि विच्छेद करते हुए संधि का नाम लिखिए।

1. महौषधि
2. विद्यालय

अथवा

समास विग्रह कर समास का नाम लिखिए।

1. यथाशक्ति।
2. चन्द्रशेखर।

प्रश्न 16. आचार्य विश्वनाथ के अनुसार काव्य की परिभाषा लिखिए।

अथवा

काव्य के मुख्यतः कितने भेद है नाम सहित लिखिए।

प्रश्न 17. अधवनी धरा पर अभी क्या–क्या बनना शेष है?

अथवा

कलकत्ता में फैले प्लेग के समय निवेदिता ने किस प्रकार सेवा की?

प्रश्न 18. निम्नलिखित वाक्यों को निर्देशानुसार परिवर्तित कीजिए।

1. मैं ईश्वर में विश्वास रखता हूँ। (आदेशात्मक)
2. अधिक भोजन करना हानिकारक है। (प्रश्नवाचक)
3. स्नान करो, विद्यालय जाओ। (सरल वाक्य)

अथवा

निम्नांकित मुहावरे व लोकोक्ति का अर्थ लिखिए।

1. नौ दो ग्यारह होना।
2. आखों का तारा।
3. एक अनार सौ बीमार।

प्रश्न 19. संयोग श्रृंगार किसे कहते है? उदाहरण सहित परिभाषा लिखिए।

अथवा

अतिश्योक्ति अलंकार का उदाहरण देते हुए परिभाषित कीजिए।

प्रश्न 20. चलने के पूर्व बटोही को कवि किन–किन बातों के लिए आगाह कर रहा है?

अथवा

'तू न अपनी छांह को अपने लिए कारा बनाना' के द्वारा कवि क्या संदेश देना चाहता है?

प्रश्न 21. देवगढ़ रियासत का 'दीवाना' पद के लिए जानकीनाथ का चयन क्यों किया गया?

अथवा

बैल के बेचने का निश्चय होते ही मोहन की हालत कैसी हो गई?

प्रश्न 22. जयशंकर प्रसाद अथवा महादेवी वर्मा की काव्यगत विशेषताएं निम्नलिखित बिन्दुओं के आधार पर लिखिए।

1. दो रचनाएं
2. भावपक्ष एवं
3. कलापक्ष।

प्रश्न 23. हजारी प्रसाद द्विवेदी अथवा श्रीलाल शुक्ल का साहित्यिक परिचय निम्न बिन्दुओं के आधार पर लिखिए।

1. दो रचनाएं
2. भाषा शैली

प्रश्न 24. निम्नलिखित में से किसी एक पद्यांश की संदर्भ प्रसंग सहित व्याख्या कीजिए :–

ये ख्याल इन दुनियादारी की,
लपटों से झुलस गये है,
पहाड़ो से टकराती नाव है,
कामयाबी की चोट से,
ये लहूलुहान है।

अथवा

नील परिधान नीच सुकुमार,
खूल रहा मृदुल अधखुला अंग,
खिला हो ज्यों बिजली का फूल,
मेघवन बीच गुलाबी रंग।

प्रश्न 25. निम्न लिखित में से किसी एक गद्यांश की संदर्भ प्रसंग सहित व्याख्या कीजिएः–

महत्व किसी कार्य की विशालता से नहीं है, उस कार्य के करने की भावना में है, बड़े से बड़ा कार्य हीन है। यदि उसके पीछे अच्छी भावना नहीं है और छोटे से छोटा कार्य भी महान है यदि उसके पीछे अच्छी भावना है।

अथवा

गांवों का आदमी जाने कब से वाट जोह रहा है कि कोई आये और उससे भी कुछ ले जाए। उसका समग्र जीवन एक अनपढ़ी खुली पुस्तक की तरह सामने बिछा है। उनका रहन–सहन, खान–पान, वस्त्राभूषण, आचार–विचार,

रीति–रीवाज, विश्वास और मान्यताएं, गीता और कथाएं नृत्य, संगीत और कलाएं हम कुछ न कुछ देने की क्षमता रखते है।

प्रश्न 26. निम्नलिखित अपठित गद्यांश को पढ़कर नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

मानव का अकारण ही मानव के प्रति अनुदार हो जाना न केवल मानवता के लिए लज्जा जनक है वरन् अनुचित भी है। वस्तुतः यथार्थ मनुष्य वही है जो मानवता का आदर करना जानता है। केवल इसलिए की कोई मनुष्य बुद्धिहीन है अथवा दरिद्र, वह घृणा का तो दूर रहा उपेक्षा का भी पात्र नहीं होना चाहिए। मानव तो इसलिए सम्मान के योग्य है कि वह मानव है, भगवान की सर्वश्रेष्ठ रचना है।

प्रश्न 1. उपयुक्त गद्यांश का शीर्षक लिखिए।

2. यथार्थ मनुष्य किसे कहा गया है?

3. उपरोक्त गद्यांश का सारांश लिखिए?

प्रश्न 27. नगर निगम को एक आवेदन पत्र लिखिए जिसमें नालियों की सफाई एवं कीटनाशक दवाओं के छिड़काव का सुझाव हो।

अथवा

अपने मित्र का हाई स्कूल परीक्षा प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण करने पर एक बधाई पत्र लिखिए।

प्रश्न 28. (अ) निम्न लिखित में से किसी एक विषय पर लगभग 250 से 300 शब्दों में निबंध लिखिए?

1. कम्प्यूटर : आज के जीवन की आवश्यकता
2. विद्यार्थी जीवन में अनुशासन
3. वृक्षारोपण
4. आंखों देखे खेल का वर्णन

5. विज्ञान वरदान व अभिषाप।

(ब) निम्नलिखित में से किसी एक विषय की रूपरेखा लिखिए।

1. राष्ट्रीय पर्व।
2. पुस्तकालय का महत्व।
3. साहित्य और समाज

– – – – – –

आदर्श उत्तर

हिन्दी विशिष्ट

कक्षा–X

उत्तर 1. रिक्त स्थान की पूर्ति –

(i) तुलसीदास

(ii) कुन्ती

(iii) शांति निकेतन

(iv) तीन

(v) गीतिका

प्रत्येक सही उत्तर पर 1 अंक कुल 5 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 2. सही विकल्प का चयन :–

(i) पद्माकर

(ii) ललित

(iii) सरस्वती

(iv) अगोचर

(v) रौद्रास

प्रत्येक सही उत्तर पर 1 अंक कुल 5 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 3. सत्य/असत्य का चयन –

(i) सत्य

(ii) असत्य

(iii) सत्य

(iv) असत्य

(v) असत्य

प्रत्येक सही उत्तर पर 1 अंक कुल 5 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 4. सही जोडियां बनाइये –

1.	नीति अष्टक	–	भारतेन्दु हरीशचन्द्र
2.	बैल की बिक्री	–	सीया रामशरण गुप्त
3.	निन्दा रस	–	हरिशंकर परसाई
4.	जो रोग एक दूसरे को लगे	–	संक्रामक
5.	शांत रस	–	निर्वेद

प्रत्येक सही उत्तर पर 1 अंक कुल 5 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 5. एक वाक्य में उत्तर दीजिए –

1. जायसी की भक्ति प्रेममार्गी निर्गुण भक्ति है।
2. लेखक खेतीकरने अपने गांव गए।
3. विदेश जाने पर विद्या साथ देती है।
4. आंख का कांटा मुहावरे का अर्थ दुश्मन होना होगा।
5. जिस काव्य में एक ही सर्ग होता है उसे खण्डकाव्य कहते है।

प्रत्येक सही उत्तर पर 1 अंक कुल 5 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 6. हिन्दी चाहित्य के इतिहास को चार भागों में बांटा गया है।

1. आदिकाल (वीरगाथा काल)
2. पूर्वमध्यकाल (भक्ति काल)
3. उत्तर मध्य काल (रीतिकाल)
4. आधुनिक काल (वर्तमान काल)

उपरोक्तानुसार लिखने पर कुल 2 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

छायावाद के चतुष्ठक कवि –

1. जयशंकर प्रसाद
2. सूर्यकांत त्रिपाठी निराला
3. महादेवी वर्मा
4. सुमित्रानंद पंत

उपरोक्तानुसार लिखने पर कुल 2 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 7. द्विवेदी युगीन कविताओं की विशेषताएं –

1. देश भक्ति– द्विवेदी युग में देशभक्ति को व्यापक आधार मिला। इस काल में देशभक्ति विषयक कविताएं लिखी गई।
2. अंधविश्वासों तथा रूढ़ियो का विरोध – इस काल की कविताओं में सामाजिक अंधविश्वासों और रूढ़ियो पर तीखे प्रहार किए गए।
3. वर्णन प्रधान कविताएं
4. मानव प्रेम
5. प्रकृतिचिमण
6. खड़ी बोली का परिनिष्ठत रूप।

उपरोक्तानुसार लिखने पर कुल 2 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

नई कविता की विशेषताएं –

1. लघु मानववाद की प्रतिष्ठा– मानव जीवन को महत्वपूर्ण मानकर उसे अर्थ पूर्ण दृष्टि प्रदान की गई।
2. प्रयोगों में नवीनता– नए–नए भावों को नए–नए शिल्प विधानों में प्रस्तुत किया गया।
3. क्षणवाद को महत्व।
4. अनुभूतियों का वास्तविक चित्रण।
5. कुण्ठा, संमास, मृत्यु बोध।

6. बिम्ब।

7. व्यंग प्रधान रचनाएं।

उपरोक्तानुसार लिखने पर कुल 2 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 8. गूंगा व्यक्ति मीठा फल खाता है तो फल बड़ा स्वादिष्ट लगता है। ह्रदय में अनुभव करता है। वाणी न होने के कारण अन्य किसी से बखान नहीं कर पाता।

उपरोक्तानुसार लिखने पर कुल 2 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

बालक राम कभी चन्द्रमा मांगने की हठ करते है और कभी उसकी परछाई को देखकर डर जाते है तो कभी ताली बजा–बजाकर नाचने लगते है। हठ करना, क्रोधित होना, प्रसन्न होकर उछलना आदि क्रियाओं को देख माताएं प्रसन्न होती है।

उपरोक्तानुसार लिखने पर कुल 2 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 9. श्रीकृष्ण के ललाट पर लगा टीका श्वेत रत्नों से जड़ा है, जिससे सफदे चमक निकल रही है इसी कारण जड़े हुए टीके की तुलना (समानता) रवि से की गई है। रवि किरण थी टीके की तरह सफेद चमकदार होती है।

उपरोक्तानुसार लिखने पर कुल 2 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

धन की देवी लक्ष्मी का स्वभाव चंचल है। वह स्थिर होकर कहीं नहीं रहती है। जब धन, दौलत स्थायी नहीं है तो उसका गर्व करना सर्वथा अनुचित है। इसी कारण कवि गिरिधर जी ने धन–दौलत का अभिमान न करने को कहा है।

उपरोक्तानुसार लिखने पर कुल 2 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 10. स्वतंत्रता मानव का जन्मसिद्ध अधिकार है किंतु यह उसी जाति या व्यक्ति को मिल पाती है जो स्वाभिमान पूर्वक बड़े से बड़े संकट का सामना करता है। स्वतंत्रता मनुष्य का भीतरी गुण है जो जाति बिना झुके हुए बज्राघात को सहती है, संघर्ष को तैयार रहती है। स्वाधीन जगत में वही जाति जीवित रह सकती है।

उपरोक्तानुसार लिखने पर कुल 2 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

कबीरदास के अनुसार जो वृक्ष बारह महीने फल देता हो, ठंडी छाया देता हो जिसमें पक्षी आश्रय ले सके ऐसे वृक्ष के नीचे विश्राम करना चाहिए। वस्तुतः गंभीर व्यक्ति का सहारा लेना चाहिए ताकि किसी प्रकार का कष्ट न हो।

उपरोक्तानुसार लिखने पर कुल 2 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 11. रेखा चित्र और संस्मरण में अंतर –

रेखा चित्र	–	**संस्मरण**
1. कल्पना की प्रधानता रहती है		1. यथार्थ की प्रधानता रहती है।
2. रेखा चित्र के विषय विविध होते है।		2. संस्मरण का विषय कोई विशेष व्यक्ति या विशेष घटना ही होती है
3. शैली चित्रात्मक होती है।		3. शैली विवरणात्मक होती है।
4. विषय प्रधान होता है।		4. विषयी प्रधान होता है।

विषयवस्तु पूर्ण रूप से स्पष्ट होने पर कुल 2 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

जीवनी और आत्मकथा में अंतर –

1. जीवन में लेखक अन्य के जीवन वृत्त को प्रस्तुत करता है। आत्मकथा में अपने जीवन वृत्त को स्वयं लिखता है।
2. जीवनी में विवरण और तथ्यों पर ध्यान रहता है। आत्मकथा में अनुभूति की गहराई होती है।
3. जीवनी वर्णात्मक शैली में लिखी जाती है जबकि आत्मकथा कथात्मक शैली में लिखी जाती है।

उपरोक्तानुसार लिखने पर कुल 2 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 12. हिन्दी की प्रथम एकांकी होने का गौरव ''एक घूंट'' को प्राप्त है। इस एकांकी के एकांकीकार जयशंकर प्रसाद जी है।

उपरोक्तानुसार लिखने पर कुल 2 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

हिन्दी की प्रथम कहानी ''इन्दुमती'' को माना गया है इसके कहानीकार किशोरीलाल गोस्वामी जी है।

उपरोक्तानुसार लिखने पर कुल 2 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 13. तेजस्वी पुरूष लाला लाजपत की दो विशेषताएं निम्न है –

1. उनकी लेखनी जो ओज उत्पन्न करती थी।
2. उनकी वाणी जो आग ऊगलती थी, स्वतंत्रता के आंदोलन में देश को उत्कर्ष तक पहुंचाया।

उपरोक्तानुसार लिखने पर कुल 2 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

आज से लगभग पांच हजार साल पहले एक ही समय में दो महान विभूतियों ने जन्म लिया इन दोनों ही महापुरूषों के नाम कृष्ण है।

1. द्वैपायन कृष्ण जो महर्षि वेद व्यास के नाम से जाने जाते है।

2. श्रीकृष्ण जो देवकी के पुत्र थे।

उत्तर 14. लेखक ने देखा मंदिर के पास एक कुआ है। कुएं पर पनिहारिने पानी भर रही थी। पानी भरते समय वे माई नर्मदा के गीत भी गाती जा रही थी।

उपरोक्तानुसार लिखने पर कुल 2 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

सुश्रुत संहिता सेहमें शल्य चिकित्सा की जानकारी मिलती है। इसमें कुल मिलाकर 120 अध्याय है और इन अध्यायों को छः भागों में बांटा गया है।

उपरोक्तानुसार लिखने पर कुल 2 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 15. संधि –

1.	महौषधि	महा+औषधि	वृद्धि स्वर संधि
2.	विद्यालय	विद्या+आलय	दीर्घ स्वर संधि

उपरोक्तानुसार लिखने पर कुल 2 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

समास

1.	यथाशक्ति	शक्ति के अनुसार	अव्ययीभाव समास
2.	चन्द्रशेखर	चन्द्रमा है सिर जिसके	बहुब्रीहि समास

उपरोक्तानुसार लिखने पर कुल 2 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 16. आचार्य विश्वनाथ ने काव्य को परिभाषित करते हुए लिखा है– 'रसात्मकं वाक्यं काव्यम्' अर्थात् रसात्मक वाक्य ही काव्य है।

उपरोक्तानुसार लिखने पर कुल 2 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

काव्य के मुख्यतया दो भेद माने गए है –

1. श्रव्य काव्य।

2. दृश्य काव्य।

उपरोक्तानुसार लिखने पर कुल 2 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 17. थके हुए कलाकार से कविता में अधवनी धरा के सृजन को पूरा करने का आग्रह है अभी नवीन कल्पना की कोमल चांदनी नहीं खिल सकी है। जीवन रस से सुगन्धित चमत्कृत जीवन का प्रारंभ नहीं हुआ। अधवनी धरा पर अभी स्वर्ग की नींव भी नहीं रखी गई। संसार को स्वर्ग बनाने का सतत् प्रयास करना आवश्यक है। सृजक रूक गया तो सृजन भी थम जायेगा। कार्य पूरा होने तक रूकना नहीं है।

उपरोक्तानुसार लिखने पर कुल 3 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

कलकत्ता में प्लेग फैलने के समय स्वामी विवेकानंद ने सभी शिष्यों को सेवा कार्य सौंपा। निवेदिता ने प्लेग में सहायता के लिए युवाओं की एक टोली तैयार की। टोली भूख–प्यास की चिंता किए बिना दिन–रात कार्य करती। इस कार्य में उन्हें लोगों से अपार स्नेह प्यार तथा आदर मिला। चिकित्सा अधिकारियों ने लिखा 'निवेदिता अपने आराम, स्वास्थ्य, भोजन तक की चिन्ता न कर गंदी बस्तियों में घूमती रही।' यह उनकी निःस्वार्थ सेवा थी।

उपरोक्तानुसार लिखने पर कुल 3 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 18. वाक्य परिवर्तन –

1. मैं ईश्वर में विश्वास रखूं।

2. क्या अधिक भोजन करना हानिकारक है?

3. स्नान करके विद्यालय जाओ।

उपरोक्तानुसार लिखने पर कुल 3 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

मुहावरे व लोकोक्ति का अर्थ –

1. भाग जाना।
2. अधिक प्रिय होना।
3. एक वस्तु के चाहने वालों की संख्या अधिक होना।

उपरोक्तानुसार लिखने पर कुल 3 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 19. संयोग श्रृगार– जहां नायक–नायिका के मिलन प्रसंग का वर्णन होता है वहां संयोग श्रृंगार होता है।

उदाहरण– राम को रूप निहारति जानकी
कर के कंकन नग की परछाहीं।
पाते सबै सुधि भूलि गई,
कर टेक रही पल टारत नाही।।

उपरोक्तानुसार लिखने पर कुल 3 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

अतिश्योक्ति अलंकार– जहां लोक की मर्यादा को पार करके किसी वस्तु का अत्यंत बढ़ा चढ़ाकर वर्णन किया जाय वहां अतिश्योक्ति अलंकार होता है।

उदाहरण – हनुमान की पूछ में लगन न पाई आगि।
लंका सिगरी जर गई, गये निशाचर भागि।।

उपरोक्तानुसार लिखने पर कुल 3 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 20. चलने से पूर्व बटोही को कवि ने विविध बातों के लिए आग्राह किया है वे कहते है कि जीवन पथ का चयन पुस्तकों से या अन्य लोगों के बताने से नहीं किया जा सकता, क्योंकि असंख्य लोगों ने जीवन जिया है जो मार्ग चुन लिया जाय उसे ही श्रेष्ठ मानने से सफलता मिलती है। अनिश्चितताओं के प्रति आग्राह करते हुए कवि बताते है कि मार्ग में कहीं नदी, पर्वत, गुफा आदि मिलेगी और कहीं बाग, सुंदर वन मिलेंगे। यह निश्चित नहीं है। यह भी पता नहीं है कि

यात्रा कब समाप्त हो जाएगी। यह भी अनिश्चित है कि कब आसानी, कब कठिनाई होगी। क्या मिलेगा क्या छूटेगा यह भी पता नहीं। जीवन स्वप्न देखना स्वाभाविक है परंतु उस पर प्रसन्न होने की आवश्यकता नहीं है। अतः वटो ही जाग्रह होकर पथ पर बढ़े।

उपरोक्तानुसार लिखने पर कुल 4 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

कवियित्री महादेवी वर्मा जीवन के आदर्शों के प्रति समर्पित रहीं है। वे दुर्लभ मानव जीवन के अधिकाधिक सदुपयोग की समर्थक रही है। मनुष्य के जीवन का लक्ष्य महान होना चाहिए, उस तक पहुंचने के लिए सतत् कर्म तथा लगन की आवश्यकता है। लक्ष्य की ओर बढ़ने पर बहुत सी बाधाएं समस्याएं भी आएगी। जगत के बहुविधि आकर्षण अपनी ओर खींचकर गति को रोकने का प्रयास करेंगे। जीवन की रंगरेलियां मनुष्य को मुग्ध करके उसके प्रगति पथ का बाधक बनेगी। अतः मनुष्य को इन आकर्षणों के बंदी नहीं होना है लक्ष्य की ओर अग्रषित होना चाहिए।

उपरोक्तानुसार लिखने पर कुल 4 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 21. दीवान का पद राज्य व्यवस्था का सर्वोच्च पद है। इस व्यवस्था का संचालनकर्ता साहस, आत्मबल और उदारता जैसे गुणों से परिपूर्ण होकर राज्य के गरीबों के दुःख के प्रति दयावान होकर अपने दृढ़ संकल्प से उसे दूर करने का प्रयत्न करता है। सुजान सिंह के अनुसार जो पुरूष स्वयं जख्मी होकर भी एक गरीब किसान की भरी हुई गाड़ी को दलदल से निकालकर नाले के उपर चढ़ा दे, उसके ह्रदय में साहस, आत्मबल और उदारता का वास है ऐसा व्यक्ति कभी भी गरीबों को नहीं सताएगा।

इन विशेषताओं के कारण जानकी नाथ का चयन देवगढ़ रियासत के दीवान पद हेतु किया गया।

उपरोक्तानुसार लिखने पर कुल 4 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

बैल के बेचने का निश्चय होते ही दो दिन में ऐसा लगने लगा मानों मोहन बहुत दिनों से बीमार हो। दिन भर बैल के विषय में ही सोचा करता, रात को कई बार उठकर बैल के पास जाता। रात के एकांत में उससे मिलता और गले से लिपटकर आंसू बहाने लगता। यह आचरण कोई देख लेता तो उसे ऐसा लगता मानों कोई बहुत बड़ा अपराध किया हो वह चाहता था कोई भला आदमी बैल को खरीदे भले ही उसे दो चार रूपए कम मिले पर बैल को दुखित नहीं देखना चाहता। वह बैल को पुभवत मानता था। इसलिए बैल को बेचने की बात सुनकर उसका ह्रदय बहुत दुःखी हो गया था।

उपरोक्तानुसार लिखने पर कुल 4 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 22. कवि परिचय – जय शंकर प्रसाद

1. **रचनाएं** :– कामायनी, आंसू, लहर, झरना, चन्द्रगुप्त, स्कन्द गुप्त, अजातशत्रु।
2. **भाव पक्ष** :– प्रसाद जी की कविता प्रेम सौन्दर्य और करूणा की त्रिवेणी है। आपने विराट सत्ता की रहस्यमता का अपूर्व अंकन किया है प्रकृति के प्रति अनुराग से परिपूर्ण प्रसाद के काव्य में प्रकृति के अनेक अद्भुत चित्र अंकित है। प्रकृति सौन्दर्य में प्रसाद जी प्रकृति के कण–कण में जगती के प्रत्येक स्पन्दन में एक रहस्यमयी सत्ता का आभाव पाते है।

कला पक्ष :– प्रसाद जी की भाषा व्याकरण सम्पन्न परिष्कृत एवं परिमार्थिक खड़ी बोली होने के साथ सरल एवं सुगम है। परंपरागत अलंकार, मानवीकरण विशेषण उपमा, रूपक उपेक्षा आदि विशिष्ट भंगिमा में इनके काव्य में प्रयुक्त हुए है।

रचनाएं 2 अंक, भाव पक्ष, कला पक्ष 2 अंक कुल 4 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

साहित्यक परिचय– **महादेवी वर्मा**

1. **रचनाएं :–** यामा, रश्मि, नीरजा
2. **भावपक्ष :–** आपकी काव्य रचना शत प्रतिशत भारतीय परम्परा पर आधारित है। इस कारण आपकी रचनाओं में दर्शन तथा रहस्यवाद अधिक है। वेदना का मधुर रस भी है। दलित वर्ग की नारी के उत्पीड़न का हृदयस्पर्शी चित्रण करने में महादेवी जी अनुपम है।

कलापक्ष :– कलापक्ष की दृष्टि से आपका काव्य गीति काव्य के अन्तर्गत आता है। आपकी रचनाओं में भावात्मकता, संगीतात्मकता, संक्षिप्तता आती है। भावानुकूल भाषा शैली। भावानुकूल ध्वनियां, शब्दों का प्रयोग आपके काव्य की विशेषता है। आपके काव्य में वर्णित पीड़ा व्यक्तिगत होकर भी समाष्टि को समेटे है।

रचनाएं 2 अंक, भाव पक्ष, कला पक्ष 2 अंक कुल 4 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 23. साहित्यिक परिचय– **हजारी प्रसाद द्विवेदी**

रचनाएंः– बाण भट्ट की आत्मकथा, चारू चन्द्र लेखा, पुनर्नवा, अनामदास का पोथा, अशोक के फूल, कुटज, विचार और वितर्क, आलोक पर्व।

भाषा शैलीः– द्विवेदी जी की भाषा संस्कृत निष्ठ खड़ी बोली है। इसमें सरलता, गंभीरता विनोद प्रियता और विद्वता का अभूतपूर्ण समन्वय देखने को मिलता है। आप छोटे–छोटे सरल वाक्यों में गंभीर बात कह जाते है। आपके निबंधों में भारतीय साहित्य, संस्कृति एवं परंपरागत ज्ञान विज्ञान के साथ आधुनिक युग की विभिन्न परिस्थितियों, समस्याओं का सुन्दर समन्वय दिखाई पड़ता है।

रचनाएं 2 अंक, भाव पक्ष 2 अंक कुल 4 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

श्रीलाल शुक्ल –

रचनाएं : अंगद का पाव, यहां से वहां, सूनी घाटी का सूरज, अज्ञातवास।

भाषा शैली : श्रीलाल शुक्ल ने व्यावहारिक खड़ी बोली में साहित्य सृजन किया है। आवश्यकतानुसार अंग्रेजी के शब्दों को अपनाया है। लोकोक्तियों, मुहावरों का सटीक प्रयोग। इस कारण भाषा में लाक्षणिकता आ गई है। शब्द चयन सार्थक एवं सटीक है।

शुक्ल जी की रचनाओं में विषयानुसार शैलियों का प्रयोग करते हुए व्यंग्यात्मक, भावात्मक, वर्णात्मक, विवरणात्मक तथा संवाद शैली का उचित प्रयोग मिलता है।

रचनाएं 2 अंक, भाव शैली 2 अंक कुल 4 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 24. पद्यांश की व्याख्या

संदर्भ : प्रस्तुत पद्यांश वात्सल्य भाव के सोए हुए बचचे से पाठ से अवतरित है। इसके रचनाकार हरिनारायण व्यास जी है।

प्रसंग : सांसारिकता से प्रताड़ित और जीवन संघर्षों में पराजित कवि ने बच्चे को कटु अनुभवों से परे रखने का भाव सीमित किया है।

व्याख्या : कवि कहता है कि मेरे विचार प्रारंभ से ऐसे नहीं थे। उन्हें सांसारिकता की कठिनाईयों की आशा की लपटों ने जला दिया है। संसार की पर्वत जैसी समस्याओं से टकराकर मेरी जीवन की नाव असफलताओं के प्रहारों से रक्त रंजित हो गई है। आशय यह है कि मुझे संसार में असफलताएं ही मिली है। जीवन कष्टमय ही रहा है।

विशेष : खड़ी बोली छंद मुक्त शैली तथा वात्सल्य रस की अभिव्यक्ति की गई है।

संदर्भ 1 अंक, प्रसंग 1 अंक, व्याख्या 1 अंक, विशेष 1 अंक कुल 4 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

संदर्भ : प्रस्तुत पद्यांश प्रेम और सौदर्य पाठ के श्रद्धा से अवतरित है। इसके रचयिता छायावाद के प्रतिनिधि कवि जयशंकर प्रसाद है।

प्रसंग : प्रस्तुत पद्यांश में श्रद्धा के वेशभूषा एवं उसके अंग सौंदर्य का वर्णन किया गया है।

व्याख्या : श्रद्धा के नीले रंग के वस्त्रों से जहां तहां उसके शरीर का कोमल अंग दिखाई दे रहा था जो ऐसा लगता था कि मानों काले बादलों के वन के मध्य गुलाबी रंग का बिजली का सुंदर फूल खिला हुआ है।

विशेष : तत्सम प्रधान साहित्यिक भाषा का प्रयाकग, उत्प्रेक्षा, रूपक, अनुप्रसा अलंकारों का प्रयोग।

संदर्भ 1 अंक, प्रसंग 1 अंक, व्याख्या 1 अंक, विशेष 1 अंक कुल 4 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 25. गद्यांश की व्याख्या

संदर्भ : प्रस्तुत गद्यांश ''मैं और मेरा देश'' नामक पाठ से लिया गया है।इसके लेखक श्री कन्हैयालाल मिश्र ''प्रभाकर'' जी है।

प्रसंग : प्रस्तुत गद्यांश में बताया गया है कि कार्य से अधिक कार्य के मूल में होने वाली भावना का होना चाहिए।

व्याख्या : जीवन अध्ययन एवं अनुभव के आधार पर लेखक कहते है कि महत्व कार्य की महानता या लघुता का नहीं होता है। छोटा सा कार्य भी महानता का परिचायक हो सकता है और बहुत बड़ा कार्य हीनता का कारण बन सकता है। महत्व किए गए कार्य के कूल में होने वाली भावना का होता है। स्पष्ट है किए गए कार्य की अपेक्षा कार्य की भावना अधिक महत्वशील होती है।

विशेष : सरल, सुबोध, साहित्यिक खड़ी बोली, विवेचनात्मक शैली का प्रयोग।

संदर्भ 1 अंक, प्रसंग 1 अंक, व्याख्या 1 अंक, विशेष 1 अंक कुल 4 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

संदर्भ : प्रस्तुत गद्यांश ''मेरे गांव की सुख और शांति किसने छीन ली'' पाठ से अवतरित है इसके लेखक पं. रामनारायण उपाध्याय जी है।

प्रसंग : प्रस्तुत गद्यांश में गांव के जीवन से कुछ सीखने एवं उसके अनुकरण करने पर बल दिया गया है।

व्याख्या : गांव का सहज जीवन मनुष्य को सद्मार्ग का संदेश दे सकता है, परंतु किसी का ध्यान इस ओर नहीं है। ग्रामवासी अनन्त काल से प्रतीक्षा कर रहा है कि कोई उनके पास आये और उनके उन्मुक्त जीवन की पुस्तक से कुछ ग्रहण करे। ग्रामीण जीवन का रहन–सहन, खान–पान, पहनावा, व्यौहार मानव को बहुत कुछ शिक्षा देने की क्षमता रखता है। वहां का संगीत, नृत्य, कथाएं एवं अनान्य कलाएं जीवन को सरस बनाने में समर्थ है।

विशेष : सरल सरस एवं प्रवाहपूर्ण खड़ी बोली। लाक्षणिकता से युक्त भावनात्मक शैली का प्रयोग।

संदर्भ 1 अंक, प्रसंग 1 अंक, व्याख्या 1 अंक, विशेष 1 अंक कुल 4 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 26. अपठित गद्यांश

उत्तर 1. मानव का मान सम्मान।

उत्तर 2. मानवता का आदर करने वाला ही यथार्थ मनुष्य है।

उत्तर 3. मानव मान के आदर करने वाले कोही सच्चा मनुष्य कहा गया है। मूर्ख अथवा बुद्धिहीन व्यक्ति से घृणा नहीं करना चाहिए। अपितु उदार होना चाहिए। ईश्वर की सर्वश्रेष्ठ रचना होने के कारण वह सम्मानीय है।

1+1+3 कुल 5 अंक

उत्तर 27. **आवेदन पत्र –**

प्रति,

स्वास्थ्य अधिकारी,

नगर निगम जबलपुर

मध्यप्रदेश

विषयः— नालियों की सफाई एवं कीटनाशक छिड़काव हेतु।

महोदय,

निवेदन है कि मैं नगर के महात्मा गांधी वार्ड गढ़ा फाटक का निवासी हूँ। इस कॉलोनी में सफाई कर्मचारी प्रायः अनियमित रहते है जिसके कारण नालियों आदि की सफाई नहीं हो पाती। गंदगी एवं मच्छरों की बहुलता के कारण कॉलोनी वासियों के स्वास्थ्य पर विपरीत प्रभाव पड़ रहा है।

अतः कालोनी की समस्या से निदान हेतु यथाशीघ्र कार्यवाही करते हुए नालियों की सफाई एवं कीटनाशक दवाइयों का छिड़काव की व्यवस्था को नियमित करने का कष्ट करें।

धन्यवाद।

भवदीय

अ.ब.स.

महात्मा गांधी वार्ड

5 अंक

अथवा

<u>परीक्षा में उत्तीर्ण होने पर बधाई पत्र</u>

28, जूनी इन्दौर

इन्दौर

दि. 01 मई 2012

प्रिय मित्र राजेश,

सप्रेम नमस्कार,

आज प्रातःकाल 'राज एक्सप्रेस' में तुम्हारा परीक्षा परिणाम देखा। जैसे ही तुम्हारा अनुक्रमांक प्रथम श्रेणी वाली तालिका में दिखा मैं खुश हो गया। इस सफलता की तुम्हें हार्दिक बधाई। ईश्वर से प्रार्थना है कि तुम जीवन की प्रत्येक परीक्षा में इसी तरह उत्तीर्ण होते रहो।

अन्य समाचारों की जानकारी देना। घर पर अंकल–आंटी को मेरा नमस्ते कहना।

तुम्हारा मित्र

सुरेश मालवीय

5 अंक

उत्तर 28. **(अ) निबंध लेखन–**

कम्प्यूटर : आज के जीवन की आवश्यकता

प्रस्तावनाः– वर्तमान युग कम्प्यूटर युग है। यदि भारत वर्ष पर नजर दौड़ाकर देखे तो हम पाएंगे कि आज जीवन के लगभग सभी क्षेत्रों में कम्प्यूटर का प्रवेश हो गया है। बैंक, रेल्वे–स्टेशन, हवाई–अड्डे, डाक खाने बड़े–बड़े उद्योग कारखाने व्यवसाय हिसाब–किताब, रूपये गिनने तक की मशीनें कंप्यूटरीकृत हो गई है। अब भी यह कंप्यूटर का प्रारंभिक प्रयोग है। आने वाला समय इसके विस्तृत फैलाव का संकेत दे रहा है।

कम्प्यूटर आज की जरूरत :– प्रश्न उठता है कि क्या कंप्यूटर आज की जरूरत है? क्या इसके बिना काम नहीं चल सकता है? इसका उत्तर है– कम्प्यूटर जीवन की मूलभूत अनिवार्य वस्तु तो नहीं है, किन्तु इसके बिना आज की दुनिया अधूरी जान पड़ती है। सांसारिक गतिविधियों परिवहन और संचार उपकरणों आदि का ऐसा विस्तार हो गया है कि उन्हें सुचारू रूप से चलाना अत्यंत कठिन होता जा रहा है। पहले मनुष्य जीवन भर में अगर 100 लोगों के

संपर्क में आता था तो आज वह 2000 लोगों के संपर्क में आता है। पहले वह दिन में 5–10 लोगों से मिलता था तो आज 50–100 लोगों से मिलता है। पहले वह दिन में काम करता था तो आज राते भी व्यस्त रहती है। आज व्यक्ति के संपर्क बढ़ रहे है, व्यापार बढ़ रहे है, गतिविधियां बढ़ रही है, आकांक्षाएं बढ़ रही है, साधन बढ़ रहे है।

"यहां सतत् संघर्ष विफलता कोलाहल का राज है।
अंधकार में दौड़ लग रही है, मतवाला यह सब समाज है।।"

सुव्यवस्था लाने में सहयोग :– इस अनियंत्रित गति को सुव्यवस्था देने की समस्या आज की प्रमुख समस्या है कहते है आवश्यकता आविष्कार की जननी है। इस आवश्यकता ने अपने अनुसार निदान ढूंढ़ लिया है। कंप्यूटर एक ऐसी स्वचलित प्रणाली है जो कैसी भी अव्यवस्था को व्यवस्था में बदल सकती है। हड़बड़ी में होने वाली मानवीय भूलों के लिए कंप्यूटर राम बाण औषधि है। क्रिकेट के मैदान में अंपायर की निर्णायक भूमिका हो या लाखों करोड़ों अरबों की लंबी–लंबी गणनाएं कंप्यूटर पलक झपकते ही आपकी समस्या हल कर सकता है। पहले इन कामों को करने वाले कर्मचारी हड़बड़ाकर काम करते थे, एक भूल से घबड़ाकर और अधिक गड़बड़ी करते थे। परिणामस्वरूप काम कम, तनाव अधिक होता था। अब कम्प्यूटर की सहायता से काफी सुविधा हो गई है।

ज्ञान का भंडार :– कंप्यूटर ने फाइलों की आवश्यकता कम कर दी है। कार्यालय की सारी गतिविधियां फ्लौपी में बंद हो जाती है इसलिए स्टोरों की जरूरत अब नहीं रही। अब समाचार पत्र भी इंटरनेट के माध्यम से पढ़ने की व्यवस्था हो गई है। विश्व के किसी कोने में छपी पुस्तक, फिल्म घटना की जानकारी इंटरनेट पर ही उपलब्ध है। एक समय था जब कहते थे कि विज्ञान ने संसार को कुटुंब बना दिया है। कंप्यूटर ने तो मानों उस कुटुम्ब को आपके कमरे में उपलब्ध करा दिया है। संभव है कंप्यूटर की सहायता से आप मनचाहे सवाल का जवाब दूरदर्शन या इंटरनेट से ले पाएंगे। शारीरिक रूप से नहीं

काल्पनिक रूप से जिस मौसम का, जिस प्रदेश का आनंद उठाना चाहे उठा सकते है।

उपसंहार :– आज टेलीफोन, रेल, फ्रिज, वाशिंगमशीन आदि उपकरणों के बिना नागरिक जीवन जीना कठिन हो गया है। इन सबके निर्माण या संचालन में कंप्यूटर का योगदान महत्वपूर्ण है। रक्षा उपकरणों, हजारों मील की दूरी पर सटीक निशाना बांधने, सूक्ष्म से सूक्ष्म वस्तुओं को खोजने में कंप्यूटर का अपना महत्व है। आज कंप्यूटर ने मानव जीवन को सुविधा, सुव्यवस्था और सटीकता प्रदान की है। अतः आज जीवन में कंप्यूटर पूरी तरह से प्रभावशाली बन गया है।

(कुल 7 अंक)

(ब) रूपरेखा–

साहित्य और समाज

1. प्रस्तावना
2. साहित्य तथा समाज का संबंध
3. साहित्य का समाज पर प्रभाव
4. समाज का साहित्य पर प्रभाव
5. समाज के उत्थान में साहित्य का योगदान
6. उपसंहार।

कुल 3 अंक

निर्देशः– निबंध लिखते समय एवं रूपरेखा लिखते समय क्रमबद्धता भूमिका, विवेचना या वर्णन एवं उपसंहार अर्थात मुख्य भाव आकर्षक ढंग से प्रस्तुत किया जाना चाहिए।

– – – – –